IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधाररू शिक्षक प्रशिक्षण और नई शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में

नामरू सुनील सिंह पंवार

पदनामरू सहायक अध्यापक ;प्राथमिक द्ध

अध्ययनध्अध्यपन का विषयरू शिक्षा

विभाग का नामरू शिक्षा विभाग

संस्थान का नामरू राजकीय प्राथमिक विद्यालय खोलकण्डी

संस्थान का पतारू ग्राम .खोलकण्डीएपोस्ट ऑफिस .पौखाल एविकासखण्ड .दुगड्डा एजनपद .पौड़ी गढ़वाल एपिन .246144

- शोध सारांश

भारत में शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वर्तमान प्रणाली में शिक्षकों के प्रशिक्षणए पाठ्यक्रम की संरचना और प्रौद्योगिकी के उपयोग में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। इस शोध में नई शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षकों के प्रशिक्षण और उसके कार्यान्वयन का विश्लेषण किया गया है। साथ हीए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन किया गया हैए जो भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए उपयोगी हो सकती हैं। शोध में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विभिन्न समाधान और सिफारिशें भी प्रस्तुत की गई हैं। यह अध्ययन शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने और शिक्षकों की दक्षता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

- बीज शब्द

शिक्षा प्रणालीए शिक्षकों का प्रशिक्षणए नई शिक्षा नीतिए गुणवत्ता सुधारए प्रौद्योगिकीए अंतर्राष्ट्रीय प्रथाएँए पाठ्यक्रम विकासए शैक्षणिक सुधार।

- प्रस्तावना

भारत में शिक्षा केवल एक पेशा नहीं हैए बल्कि यह राष्ट्र निर्माण का एक अभिन्न अंग है। हालाँकिए वर्तमान शिक्षा प्रणाली में कई कमियाँ हैंए जैसे कि प्रशिक्षित शिक्षकों की कमीए पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता में कमी और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में असमानता। नई शिक्षा नीति 2020 ने इन समस्याओं को हल करने के लिए कई प्रावधान किए हैंए लेकिन उनके प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता है। यह शोध इन मुद्दों पर गहन दृष्टि डालता है।

- शोध पद्धति

यह शोध गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों दृष्टिकोणों पर आधारित है। इस प्रकारए यह दोनों प्रकार के आंकड़ों और विश्लेषण विधियों का सम्मिलन करता हैए ताकि शोध में अधिक व्यापकता और सटीकता प्राप्त की जा सके। गुणात्मक दृष्टिकोण को लागू करते हुएए हम उन कारकों की गहरी समझ प्राप्त करने का प्रयास करेंगेए जो शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए आवश्यक हैं। दूसरी ओरए मात्रात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से हम तथ्यात्मक आंकड़ों को एकत्रित करेंगेए जो सुधार की दिशा में ठोस साक्ष्य प्रस्तुत करें। इस मिश्रित पद्धति का उद्देश्य शोध को एक ठोस और व्यावहारिक रूप प्रदान करना है।

- प्राथमिक स्रोतरू

शिक्षकों और छात्रों के साक्षात्कार प्राथमिक डेटा का प्रमुख स्रोत होंगे। साक्षात्कार से हमें न केवल शिक्षा प्रणाली की वर्तमान स्थिति का अनुमान होगाए बल्कि हम यह भी समझ सकेंगे कि शिक्षक और छात्र इसके विभिन्न पहलुओं पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं। इस प्रक्रिया के दौरानए हम विभिन्न प्रकार के सवालों का उपयोग करेंगेरू

शिक्षकों से साक्षात्काररू शिक्षकों से हमने साक्षात्कार करने पर यह जानने का प्रयास किया कि वे प्रशिक्षण में किस प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उनके अनुभवों और दृष्टिकोणों से हमने यह समझा कि वर्तमान प्रशिक्षण विधियाँ कितनी प्रभावी हैं और उन्हें किस प्रकार के सुधार की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्तए शिक्षक अपनी कक्षाओं में छात्रों के सीखने की प्रक्रिया को कैसे बेहतर बना सकते हैंए इस पर भी विचार किया ।

साक्षात्कार 1रू श्री धनपाल सिंह रावत ए चैड .चैनपुरए नैनीडांडाए पौड़ी गढ़वालए उत्तराखंड

प्रश्नरू वर्तमान शिक्षा प्रणाली में आपको किन मुख्य सुधारों की आवश्यकता महसूस होती हैद

उत्तररू मेरे अनुभव के आधार परए सबसे महत्वपूर्ण सुधार शिक्षकों के प्रशिक्षण में होना चाहिए। वर्तमान समय में प्रशिक्षण कार्यक्रम सैद्धांतिक अधिक हैंए जबकि हमें व्यावहारिक दृष्टिकोण को अधिक महत्व देना चाहिए। प्रशिक्षकों को स्थानीय परिस्थितियों और छात्रों की जरूरतों के अनुसार शिक्षण तकनीकों में बदलाव करना चाहिए।

प्रश्नरू क्या आपको लगता है कि शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आधुनिक समय की आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैंद

उत्तररू नहींए अधिकतर प्रशिक्षण कार्यक्रम पारंपरिक हैं और नवीनतम शैक्षणिक तकनीकों जैसे डिजिटल शिक्षाए मानसिक स्वास्थ्य सहायता और कौशल विकास पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता। हमें शिक्षकों को अधिक व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी सहायता देने की आवश्यकता है।

प्रश्नरू नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ;छम्च्द्ध 2020 के संदर्भ में क्या बदलाव आप स्कूल स्तर पर देख रहे हैंद

उत्तररू छम्च 2020 ने व्यावहारिक और कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया हैए लेकिन इसे सफलतापूर्वक लागू करने के लिए शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देना आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों की कमी अभी भी एक चुनौती बनी हुई है।

साक्षात्कार 2रू श्री राजेश बलोदी;स0अ0 प्राथमिकद्धए दुगड्डाए पौड़ी गढ़वालए उत्तराखंड

प्रश्नरू शिक्षा प्रणाली में सुधार हेतु आपकी दृष्टि में सबसे आवश्यक बिंदु क्या हैंद

उत्तररू मेरी दृष्टि में सबसे महत्वपूर्ण सुधार शिक्षकों की भर्ती और प्रशिक्षण प्रक्रिया में होना चाहिए। शिक्षकों की संख्या बढ़ाने के साथ.साथ उनकी गुणवत्ता भी सुधारने की आवश्यकता है। हमें शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से लैस करना चाहिए।

प्रश्नरू क्या आपको लगता है कि शिक्षकों को पर्याप्त संसाधन और सुविधाएँ मिल रही हैंद

उत्तररू नहींए खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों को बुनियादी सुविधाएँ तक नहीं मिल पातीं। स्मार्ट कक्षाएँए इंटरनेट कनेक्टिविटी और शिक्षण सामग्री का अभाव शिक्षण कार्य को चुनौतीपूर्ण बना देता है। सरकार को इस दिशा में अधिक प्रयास करने चाहिए।

प्रश्नरू आप शिक्षक प्रशिक्षण में किस तरह के बदलाव आवश्यक मानते हैंद

उत्तररू शिक्षक प्रशिक्षण में टेक्नोलॉजी का अधिक समावेश होना चाहिए। ऑनलाइन शिक्षणए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित लर्निंग और छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य सहायता से जुड़े प्रशिक्षण दिए जाने चाहिए। इसके अलावाए प्रशिक्षकों को शिक्षकों की स्थानीय जरूरतों को समझकर प्रशिक्षण देने की दिशा में काम करना चाहिए।

छात्रों से साक्षात्काररू छात्रों से साक्षात्कार करने पर हमें जानकारी मिली कि वे शिक्षा प्रणाली और शिक्षक प्रशिक्षण के संबंध में कैसा महसूस करते हैं। छात्रों ने यह भी बताया कि उन्हें किस प्रकार की कक्षाओं और शिक्षा प्रणाली से सबसे अधिक लाभ होता है। उनकी प्रतिक्रिया यह समझने में मदद करती है कि शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता क्यों महसूस की जा रही है।

साक्षात्कार 1रू सोनियाए कक्षा 8 ;रा0क030प्रा0 विद्यालय गूमए पौखालए दुगड्डाए पौड़ी गढ़वालए उत्तराखंडद्ध

प्रश्न 1रू सोनियाए क्या आप हमें बताना चाहेंगी कि शिक्षा प्रणाली में कौन सी बातों को सुधारने की आवश्यकता हैघ्

सोनियारू हांए मुझे लगता है कि हमारी स्कूल की शिक्षा प्रणाली में सुधार की जरूरत है। सबसे पहलेए हमें पाठ्यक्रम को और रुचिकर बनाना चाहिएए ताकि हम उसे अच्छे से समझ सकें और पढ़ाई में रुचि बनी रहे। दूसराए शिक्षक हमें न केवल किताबों से बल्कि वास्तविक जीवन से भी बहुत कुछ सिखाएं। अगर स्कूलों में अधिक प्रैक्टिकल और इंटरैक्टिव गतिविधियाँ होंए तो यह हमारी शिक्षा को और भी उपयोगी बना सकता है।

प्रश्न 2रू क्या आपको लगता है कि शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार की आवश्यकता हैघ्

सोनियारू जी हांए शिक्षक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं हमारी शिक्षा में। अगर वे अपने विषय में अच्छे से प्रशिक्षित हों और नए तरीकों को अपनाएंए तो यह हमें और अधिक समझने में मदद करेगा। मुझे लगता है कि अगर शिक्षक छात्रों के साथ बेहतर संवाद करेंए तो हम अपनी समस्याओं को आसानी से समझा सकते हैं और उनका समाधान ढूंढ सकते हैं।

साक्षात्कार 2रू अंजलीए कक्षा 11 ;गुरु राम राय इंटर कॉलेजए दिउलाए पौखालए दुगड्डाए पौड़ी गढ़वालए उत्तराखंडद्ध

प्रश्न 1रू अंजलीए आपके अनुसार शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए कौन से कदम उठाए जाने चाहिएघ्

अंजलीरू सबसे पहलेए हमें शिक्षा प्रणाली में टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग करना चाहिए। आजकल के बच्चों को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जानकारी की ज़रूरत होती हैए ताकि वे पाठ्यक्रम से ज्यादा जुड़ सकें। दूसराए हमें पाठ्यक्रम को अधिक लचीला और छात्रों की रुचियों के अनुसार बनाना चाहिएए ताकि छात्र अपनी पसंद के विषय में गहरी जानकारी प्राप्त कर सकें।

प्रश्न 2रू क्या आपको लगता है कि शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार से छात्रों को लाभ होगाघ्

अंजलीरू हांए बिल्कुल! अगर शिक्षक नए और उन्नत तरीके अपनाते हैंए जैसे कि समूह कार्य या प्रोजेक्ट आधारित शिक्षाए तो यह छात्रों के लिए बहुत फायदेमंद होगा। हमें यह महसूस होता है कि कई बार शिक्षक खुद भी नए तरीकों से पढ़ाने में कंफर्टेबल नहीं होतेए लेकिन यदि उन्हें नियमित प्रशिक्षण मिलेंए तो इससे बच्चों की समझ और सिखने की प्रक्रिया बेहतर हो सकती है।

इन साक्षात्कारों के परिणामों से हमें विभिन्न शिक्षा प्रणालियों की उपयुक्तता और सुधार की दिशा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है ।

- द्वितीयक स्रोतरू

सरकारी रिपोर्टेंए नई शिक्षा नीति दस्तावेज़ और संबंधित शोध पत्र द्वितीयक स्रोतों के रूप में कार्य करेंगे। इन स्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर हमने नीति.निर्माणए नीति के कार्यान्वयनए और सुधारात्मक उपायों के बारे में गहरी जानकारी प्राप्त की है ।

सरकारी रिपोर्टेंरू सरकारी रिपोर्टें और शिक्षा क्षेत्र से संबंधित डाटा का विश्लेषण करने पर हमें यह समझने में मदद मिली हैं कि पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा प्रणाली में किस प्रकार के सुधार किए गए हैं और उनका परिणाम क्या रहा है। रिपोर्टों से यह भी समझने में मदद मिलती है कि शिक्षा के क्षेत्र में किन मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

नई शिक्षा नीति दस्तावेज़रू भारत की नई शिक्षा नीति ;छम्च 2020द्ध में शिक्षा क्षेत्र के लिए कई सुधार प्रस्तावित किए गए हैंए जो विशेष रूप से शिक्षक प्रशिक्षण और छात्र हितों को लेकर हैं। इस नीति के प्रभाव और उद्देश्य का विश्लेषण करने से हमने यह जानकारी प्राप्त हुई कि वर्तमान में शिक्षा प्रणाली में किन बदलावों की आवश्यकता है और वे कैसे शिक्षक प्रशिक्षण पर प्रभाव डाल सकते हैं।

संबंधित शोध पत्ररू इस शोध में पहले से किए गए अध्ययन और शोध पत्रों का भी उपयोग किया गया है । इससे हमें यह समझने में मदद मिलती है कि पिछले शोधकर्ताओं ने किन समस्याओं और सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया हैए और यह भी कि उन्होंने किन तरीकों से अपनी निष्कर्षों को सिद्ध किया है। शोध पत्रों का विश्लेषण करने से हमने यह जाना कि इस क्षेत्र में अभी तक कितना शोध हुआ है और कहाँ नई दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

- तुलनात्मक अध्ययनरू

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा प्रणालियों का विश्लेषण इस शोध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है । विभिन्न देशों में शिक्षा प्रणाली की संरचनाए शिक्षक प्रशिक्षण की प्रक्रिया और सुधार के उपायों पर तुलनात्मक अध्ययन से हमने यह जाना कि अन्य देशों में किस प्रकार से सुधार किए गए हैं और वे कैसे भारतीय संदर्भ में लागू हो सकते हैं।

अमेरिकारू अमेरिका में शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षा प्रणाली में लगातार सुधार होते रहते हैं। वहाँ के शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को हम भारतीय संदर्भ में लागू करने के लिए विश्लेषित करेंगे। अमेरिका में शिक्षा प्रणाली में जाँच.पड़तालए मानकीकरण और शिक्षकों के निरंतर पेशेवर विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता हैए जो भारतीय शिक्षा प्रणाली में भी लागू किया जा सकता है।

फिनलैंडरू फिनलैंड की शिक्षा प्रणाली को दुनिया की सबसे प्रभावी प्रणालियों में माना जाता है। वहाँ के शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षण पद्धतियों का अध्ययन करने से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि कैसे उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षक तैयार किए जाते हैं और उन्हें विद्यार्थियों के बेहतर विकास के लिए प्रेरित किया जाता है।

सिंगापुररू सिंगापुर की शिक्षा प्रणाली में शिक्षक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जाता है। सिंगापुर में शिक्षकों को उच्च स्तर की पेशेवर विकास और नियमित प्रशिक्षण प्राप्त होता है। उनके दृष्टिकोण और विधियों का विश्लेषण करने से हम भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए उपयुक्त कदम उठा सकते हैं।

अन्य देशों का अध्ययनरू अन्य देशों की शिक्षा प्रणालियों में भी विभिन्न प्रकार के सुधार किए गए हैं। उदाहरण स्वरूपए जापानए दक्षिण कोरिया और कनाडा में शिक्षा सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया गया हैए जो हमारे शोध के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ हैं।

इस तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से हम यह जानने का प्रायस किया है कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए कौन से अंतर्राष्ट्रीय मॉडल प्रभावी हो सकते हैं और उन्हें कैसे भारतीय संदर्भ में लागू किया जा सकता है।

- विभिन्न उपशीर्षक ६ शोध विस्तार

- शिक्षकों के प्रशिक्षण में चुनौतियाँ

शिक्षक प्रशिक्षण शिक्षा प्रणाली के सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम हैए और वर्तमान समय में इसे कई चुनौतियाँ सामना करनी पड़ रही हैं। भारत में शिक्षकों की गुणवत्ता सुधारने के लिए इन्हें पहचानना और सुधारना आवश्यक हैरू

प्रशिक्षित शिक्षकों की कमीरू कई स्कूलों में योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी हैए खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इस समस्या के कारणए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त नहीं हो पा रही है। प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी के कारणए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम भी पूरी तरह प्रभावी नहीं हो पातेए जिससे शिक्षा का स्तर गिरता है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच असमानतारू शहरी क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता और संसाधनों की कमी के बावजूदए ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षक चयन और प्रशिक्षण में और भी अधिक समस्या उत्पन्न होती है। इससे ग्रामीण छात्रों को समान अवसर नहीं मिल पातेए और यह असमानता उन्हें शिक्षा में पिछड़ा बनाती है।

नैतिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण का अभावरू केवल शैक्षणिक दक्षता पर ध्यान देने से शिक्षक एक पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण नहीं कर पाते। शिक्षक को नैतिकए सामाजिकए और व्यावसायिक दृष्टिकोण से भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिएए ताकि वे बच्चों को व्यक्तिगत और नैतिक रूप से भी मार्गदर्शन दे सकें।

पुरानी शिक्षण पद्धतियाँरू वर्तमान मेंए कई विद्यालयों में पारंपरिक शिक्षण पद्धतियाँ अपनाई जा रही हैंए जो नई पीढ़ी की शैक्षणिक आवश्यकताओं और कौशलों को ध्यान में नहीं रखती। इस कारणए छात्र न तो आलोचनात्मक सोच विकसित कर पाते हैं और न ही रचनात्मक कार्यों में रुचि दिखाते हैं।

तकनीकी ज्ञान की कमीरू डिजिटल शिक्षा का महत्व बढ़ने के साथ.साथए कई शिक्षकों में तकनीकी ज्ञान का अभाव है। यदि शिक्षक तकनीकी उपकरणों का सही उपयोग नहीं कर पा रहे हैंए तो ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों तक समुचित शिक्षा नहीं पहुँचाई जा सकती।

- नई शिक्षा नीति 2020 की भूमिका

नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक प्रशिक्षण के सुधार पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अंतर्गत विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया हैरू

ज्मंबीमत म्सपहपइपसपजल ज्मेज ;ज्म्ज्द्धरू शिक्षकों की योग्यता सुनिश्चित करने के लिए ज्म्ज परीक्षा को अनिवार्य किया गया हैए जिससे केवल योग्य शिक्षक ही शिक्षा प्रणाली में प्रवेश कर सकें। यह शिक्षा में गुणवत्ता सुधारने का पहला कदम है।

छंजपवदंस च्तवमिैपवदंस ैजंदकंतके वित ज्मंबीमते ;छच्ैज्द्धरू शिक्षकों की दक्षता और गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय मानकों की स्थापना की गई हैए जिससे शिक्षकों के कार्य और योगदान को अधिक संरचित और स्पष्ट रूप से मापने में मदद मिलती है।

सतत् व्यावसायिक विकास ;ब्च्क्द्धरू शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अनिवार्य किया गया है। इससे शिक्षकों का पेशेवर विकास सुनिश्चित होता हैए और वे नई शैक्षिक विधियों और तकनीकों से परिचित होते हैं।

शिक्षण में तकनीक का उपयोगरू डिजिटल प्लेटफार्मों और ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा दिया गया हैए जिससे शिक्षक और छात्र दोनों को बेहतर अवसर मिलते हैं। यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है और शिक्षकों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाता है।

- अंतर्राष्ट्रीय प्रथाएँ और भारतीय संदर्भ

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा प्रणालियों से प्रेरणा लेकरए भारत अपनी शिक्षा प्रणाली में कई सुधार कर सकता हैरू

फिनलैंड और सिंगापुर की शिक्षा प्रणालीरू इन देशों में शिक्षक प्रशिक्षण उच्च स्तर पर होता है। वहाँ शिक्षक अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाते हैंए और उन्हें लगातार पेशेवर विकास के लिए अवसर मिलते हैं। फिनलैंड मेंए शिक्षा एक समग्र दृष्टिकोण से दी जाती हैए जिससे शिक्षक अपनी शैक्षणिक क्षमता के अलावा बच्चों के व्यक्तिगत विकास पर भी ध्यान देते हैं।

डिजिटल उपकरणों का उपयोगरू अमेरिका और यूरोप मेंए शिक्षकों को तकनीकी दृष्टिकोण से प्रशिक्षित किया जाता है। डिजिटल शिक्षा उपकरणों का उपयोग शिक्षण के एक प्रभावी और आकर्षक तरीका बन चुका हैए जिससे छात्र और शिक्षक दोनों को लाभ मिलता है।

वेतन संरचना में सुधाररू कई देशों मेंए शिक्षकों को उनके कार्य और योगदान के आधार पर उच्च वेतन और अन्य सुविधाएँ दी जाती हैंए जिससे वे अधिक प्रेरित और समर्पित रहते हैं। यह शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाता है और उनकी कार्यक्षमता में सुधार लाता है।

- सुधार के लिए सुझाव

शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षा प्रणाली के सुधार के लिए कुछ प्रभावी सुझावरू

पारदर्शी भर्ती प्रक्रियारू शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता रखनी चाहिएए ताकि केवल योग्य शिक्षक ही चुने जाएं। इससे शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है।

डिजिटल और तकनीकी प्रशिक्षणरू शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा और तकनीकी उपकरणों के उपयोग के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिएए ताकि वे नई शिक्षा पद्धतियों को अपनाकर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार कर सकें।

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण केंद्ररू विशेष प्रशिक्षण केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किए जाएंए ताकि वहां के शिक्षक भी नए शैक्षिक उपकरणों और पद्धतियों से अवगत हो सकें।

प्रेरणा और प्रोत्साहनरू शिक्षकों को उनके कार्य के आधार पर उचित प्रोत्साहन और प्रेरणा मिलनी चाहिएए ताकि वे अधिक समर्पित तरीके से कार्य कर सकें।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोगरू भारतीय शिक्षकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षित करने के लिए विदेशों से सहयोग प्राप्त किया जाएए जिससे उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में वैश्विक दृष्टिकोण से सुधार हो सके।

इन सुधारों के माध्यम से भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार हो सकता हैए और शिक्षक प्रशिक्षण के स्तर को बढ़ाकर एक मजबूत शिक्षा व्यवस्था स्थापित की जा सकती है।

- निष्कर्ष

शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षणए पाठ्यक्रम विकास और प्रौद्योगिकी का उपयोग अनिवार्य है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत जो प्रावधान किए गए हैंए वे सही दिशा में हैंए लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न हितधारकों के समन्वय की आवश्यकता है।

- संदर्भ

1.राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020ए भारत सरकारए शिक्षा मंत्रालय।

2.यशपाल समिति रिपोर्ट ;1993द्धए भारत सरकार।

3.एनसीईआरटी ;छब्म्त्ज्द्ध रिपोर्टए 2021।

4.न्म्ब्व की श्एजुकेशन एट ए ग्लांसश रिपोर्ट ;2021द्ध।

5.फिनलैंड की शिक्षा प्रणाली पर आधारित शोध पत्रए हेलसिंकी विश्वविद्यालय।

6.‘भारतीय शिक्षा और डिजिटल परिवर्तनश पर छप्ज्प् ।लवह की रिपोर्ट ;2020द्ध।

7. ।प्ब्ज्म् ;अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषदद्ध की तकनीकी शिक्षा पर नीति।

8.उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार पर यूजीसी की नीति।

9.प्राथमिक शिक्षा में शिक्षकों की भूमिका पर भारतीय प्रबंध संस्थान ;प्प्डद्ध का अध्ययन।

10.नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन पर राज्य सरकारों की रिपोर्ट।

11. विभिन्न सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों से वार्ता एपौड़ी एउत्तराखंड

12.विभिन्न छात्र ध्छात्राओं से वार्ता;सरकारी विद्यालयद्धएपौड़ी उत्तराखंड